SYLLABUS FOR COMPUTER BASED RECRUITMENT TEST (CBRT)
FOR THE POST OF ASSISTANT PROFESSORS IN GOVERNMENT COLLEGE
(HINDI)
UNDER
DIRECTORATE OF HIGHER EDUCATION
(Advt No. 2 Year 2020 & Advt No. 5 Year 2020)

I. General English including Grammar **- 05 marks**

II. General Knowledge, Current Affairs and Events of National and International Importance **- 10 marks**

III. Logical Reasoning and Analytical Ability **- 10 marks**

IV. Core: **- 50 marks**

प्रपत्र 1

हिंदी साहित्य : आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल
आदिकाल परिवेश एवं प्रवृत्तियां

क- राजनीतिक , सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिवेश
ख-रासो काव्य :परंपरा एवं प्रवृत्तियां
ग- सिद्ध, नाथ , जैन काव्य -काव्य परंपरा एवं प्रवृत्तियां
घ- आदिकाल की रचनाएं एवं रचनाकार

भक्ति का उद्भव एवं विकास

क- राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिवेश एवं उनका तत्कालीन साहित्य पर प्रभाव
ख- निर्गुण काव्यधारा -संत एवं सूफी काव्य : प्रवृत्तियां
ग- सगुण काव्यधारा :रामभक्ति काव्यधारा, कृष्ण भक्ति काव्यधारा: प्रवृत्तियां
घ-भक्तिकाल की रचनाएं एवं रचनाकार

रीतिकाल परिवेश एवं प्रवृत्तियां

क -राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिवेश
ख- रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य, रीतिसिद्ध काव्य
ग - रीतिकाल एवं दरबारी संस्कृति
घ - रीतिकाल की रचनाएं एवं रचनाकार

प्रपत्र 2 -

आधुनिक हिंदी साहित्य (1857 से अब तक)
भाग 1

क- आधुनिक काल का राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक परिवेश
ख- नवजागरण
ग-समाज सुधारवादी संस्थाएं
ख -आधुनिक काल में कविता का उद्भव एवं विकास तथा रचनाएं एवं रचनाकार
1- भारतेंदु युग , द्विवेदी युग ,छायावाद ,प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता

भाग 2

आधुनिक काल में गद्य का उद्भव एवं विकास तथा रचनाएं एवं रचनाकार
1-उपन्यास: उद्भव एवं विकास
2- कहानी: उद्भव एवं विकास
3- नाटक :उद्भव एवं विकास
4- निबंध: उद्भव एवं विकास
5-हिंदी गद्य की अद्यतन विधाएं - आत्मकथा, संस्मरण, जीवनी, रेखाचित्र ,यात्रा साहित्य - विकास क्रम

प्रपत्र 3

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1- अ- साहित्य एवं काव्य : अवधारणा
एवं स्वरूप , काव्य हेतु एवं प्रयोजन
आ- काव्य के रूप -लक्षण तथा विशेषताएं
-महाकाव्य खंडकाव्य ,गीति काव्य , मुक्तक
इ- रस : अवधारणा एवं स्वरूप
ई- शब्द शक्ति :स्वरूप एवं प्रकार
उ - नाटक: अवधारणा एवं स्वरूप (भारतीय मान्यताओं के आधार पर)

2- भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत: रस ,अलंकार, ध्वनि ,रीति , वक्रोक्ति, औचित्य सिद्धांत

3- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत :प्लेटो, अरस्तु, लोंजाइनस, कॉलरिज, मैथ्यू अर्नाल्ड , क्रोचे , आई ए रिचर्डस, टी एस इलियट आदि विचारकों के सिद्धांत

प्रपत्र 4

हिंदी साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि

अ- वैदिक दर्शन : वेद, उपनिषद - स्वरूप एवं
तत्व
आ- बौद्ध, जैन दर्शन: स्वरूप एवं तत्व
इ - मार्क्सवाद: स्वरूप एवं तत्व
ई- अस्तित्ववाद :स्वरूप एवं तत्व
उ- मनोविश्लेषण सिद्धांत :स्वरूप एवं तत्व
ऊ- गांधीवादी दर्शन :स्वरूप एवं तत्व

प्रपत्र 5

भाषा विज्ञान

अ- भाषा : अवधारणा, स्वरूप एवं लक्षण
आ- भाषा विज्ञान : अवधारणा एवं स्वरूप
इ- भारत में भाषा चिंतन
ई- भाषा विज्ञान की पाश्चात्य परंपरा
उ- भाषा विज्ञान के अंग
ऊ- भाषा विज्ञान की शाखाएं
ए- ध्वनि विज्ञान , स्वनिम , रूपिम
ऐ- वाक्य : अवधारणा , स्वरुप, प्रकार
ओ- अर्थ संरचना : स्वरूप, अर्थबोध एवं अर्थ निर्णय के साधन ,अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं

Note:

Duration for C.B.R.T : 75 Minutes

Maximum Marks for C.B.R.T : 75 Marks

Uploaded by GPSC on 29/06/2020